आप शायद जानना चाहेंगे कि आगे चलकर कुमार परिवार में क्या क्या हुआ । बहुत लंबी कहानी है। किसी दिन हम इसके बारे में विस्तार से लिखेंगे। फिलहाल मैं आपको बस इतना बताऊँ कि सबों की ज़िन्दगी बड़ी ख़ुशी से बीती (सिवाय बेचारे सरेश की) । कहने की ज़रूरत नहीं कि संगीता और सहास की शादी हो गई, और बहुत धूमधाम से; आजकल ने दिल्ली में ही रह रहे हैं, और लखनऊ-वाला घर तो लन्दन से आए हुए कुछ हिन्दी के विद्यार्थियों को किराये पर दे दिया गया है। अगर आप कभी अपने को दिल्ली में पाएँ, तो मान मार्केट की किसी दुकान में जाकर आपको संगीता और सुहास ख़रीदारी करते हुए दिखाई देंगे - हमेशा एक साथ हमेशा मुस्कराते हुए, हमेशा ख़ुश । संगीता को बच्चा भी होनेवाला है। परिवार में एक तकलीफ़ यह हुई कि दादीजी की तबियत कुछ समय के लिए ठीक नहीं रही; दो तीन महीनों तक उनको लेकर बहुत चिंता रहो । पर अब तो वे सुधर गई हैं।

1- **Metinde geçen gramer kuralların analizini yaparak Türkçeye çevirmek.**